



## व्याकरण क्यों ?

भाषा बोलने और लिखने में गलती न हो, उसे सुनकर दूसरे लोग न हँसें, इसलिए हम व्याकरण पढ़ते हैं। व्याकरण में ध्वनि, शब्द, वाक्य आदि के नियमों पर विचार किया जाता है।

★ **भाषा** बोली जाती है :

हमारे मुँह से जो बातें निकलती हैं उनके सबसे छोटे खण्ड को **ध्वनि** कहते हैं। आ, ग, च, द, प, स आदि एक-एक ध्वनि हैं। इनका उच्चारण करने से पता चलता है कि ये छोटे-छोटे खण्ड हैं। इनका उच्चारण करके देखें।

★ **भाषा** लिखी भी जाती है :

ध्वनियों को लिखने के लिए जिन चिह्नों का प्रयोग किया जाता है, उन्हें **वर्ण** कहते हैं। किसी भाषा के वर्णों के समूह को **वर्णमाला** कहते हैं। आ, ग, च, द, प, स आदि के लिखित रूप को **वर्ण** कहते हैं।

हम जैसे बोलते हैं, वैसे ही लिखने की कोशिश करते हैं। लेकिन बोली बराबर बदलती जाती है और लेखन उसके पीछे-पीछे चलता है।

★ **शब्द** : एक या एकाधिक ध्वनियों का एक साथ उच्चारण करने पर शब्द बनते हैं।

हर शब्द का कोई न कोई अर्थ होता है।

★ **पद** : शब्द वाक्य में आने पर पद कहलाते हैं। पद में शब्द के साथ शब्दांश भी जुड़ा होता है।